'दुनिया में हर दसवें सैकेंड एक मौत शराब सेवन के कारण हो रही है'

डब्ल्यु.एच.ओ. ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि, अमेरिका जैसे कई विकसित देशों में भी शराब कंपनियां सोशल मीडिया व अन्य तरीके से धड़ल्ले से शराब का प्रचार कर रही हैं

- **डब्ल्यु.एच.ओ. के अनुसार ऐसा नहीं है कि, सिर्फ उम्रदराज लोग ही शराब सेवन के दुष्प्रभावों का शिकार हो रहे हैं, कुल मौतों में से 13.5 प्रतिशत मौतें 20 से 39 साल के आयुवर्ग के लोगों की होती हैं।**
- **मुख्य तौर पर फिल्में और धारावाहिक ही शराब सेवन को बढ़ावा दे रहे हैं तथा शराब कंपनियां स्पोर्ट्स कार्यक्रमों को स्पॉन्सर करके भी अपने प्रोडक्ट्स को धड़ल्ले से एन्डोर्स कर रही हैं।**

नई दिल्ली / जेनेवा, 10 मई (वार्ता)। वर्ल्ड हैल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यु.एच.आ.) ने अल्कोहल नियंत्रण के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग पर बल देते हुए कहा है कि शराब पीने से हर 10 सेकंड में एक व्यक्ति की मौत हो रही है और संबंधित कंपनियां युवाओं तथा नशे के आदी लोगों को निशाना बना रही हैं।

शराब की बाजार तकनीकों पर जारी एक नयी रिपोर्ट में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि दुनिया भर में, हर साल 30 लाख लोग शराब के हानिकारक उपयोग के परिणामस्वरूप मर जाते हैं। हर 10 सेकंड में एक व्यक्ति की मौत शराब का सेवन करने से हो रही है। दुनिया भर में हर साल कुल मौतों में से पांच प्रतिशत मौत अल्कोहल का सेवन करने से होती हैं। रिपोर्ट के अनुसार अल्कोहल से संबंधित मौतों में युवाओं का अनुपात 13.5 प्रतिशत है। इनकी आयु 20-39 वर्ष के बीच है। ये मौतें कैंसर, लीवर तथा अन्य शारीरिक जटिलताओं और सड़क दुघर्टना से होती हैं।

डब्यू.एच.ओ. ने कहा है कि अल्कोहल की ऑनलाइन मार्केटिंग तकनीकों के प्रभावी विनियमन की आवश्यकता है। शराब की ऑनलाइन मार्केटिंग युवा लोगों और अधिक शराब पीने वालों को लक्षित करती है, जो अक्सर उनके स्वास्थ्य की हानिकारक होता है।

अल्कोहल के सेवन के नियंत्रण के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग पर बल देते हुए डब्यू.एच.ओ. ने कहा है कि शराब की डिजिटल मार्केटिंग सीमा पार से होती है। इसमें लक्षित देश की सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों का ध्यान नहीं रखा जाता है। जिससे इसके प्रभाव अनुमान से परे होते हैं।

डब्यू.एच.ओ. के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस घेब्रेयसस ने कहा, शराब युवाओं, उनके परिवारों और समाज, उनके जीवन और क्षमता खत्म करती है। उन्होंने कहा कि शराब नियंत्रण के लिए अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था बेहद कमजोर है। अल्कोहल मार्केटिंग का बेहतर, अच्छी तरह से लागू और अधिक सुसंगत विनियमन दुनिया भर में युवा जीवन को बचाएगा और सुधारेगा।

रिपोर्ट के अनुसार अल्कोहल के लिए सोशल मीडिया पर लक्षित विज्ञापन विशेष रूप से प्रभावी है। वर्ष 2019 में अमेरिका में प्रमुख अल्कोहल कंपनियों के मीडिया खर्च का 70 प्रतिशत से अधिक प्रचार, उत्पाद प्रदर्शन और सोशल मीडिया में ऑनलाइन विज्ञापनों पर था। विश्व स्वास्थ्य संगठन में अल्कोहल, ड्रग्स और एडिक्टिव बिहेवियर इकाई के डैग रेकवे ने कहा कि डिजिटल मीडिया के बढ़ते महत्व का मतलब है कि शराब की मार्केटिंग तेजी से सीमा पार हो गई है। यह उन देशों के लिए और अधिक कठिन है जो शराब विपणन को अपने अधिकार क्षेत्र में प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने का प्रयास कर रहे हैं। इस क्षेत्र में देशों के बीच अधिक सहयोग की जरूरत है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख खेल आयोजनों में अन्तर्राष्ट्रीय अल्कोहल कंपनियों द्वारा उपयोग की जाने वाली एक अन्य महत्वपूर्ण रणनीति है। इस तरह के आयोजन नए दर्शकों के लिए अपने ब्रांड के बारे में जागरूकता बढ़ाते हैं। इसके अलावा, अल्कोहल उत्पादक दुनिया के विभिन्न हिस्सों में दर्शकों और संभावित उपभोक्ताओं तक पहुंचने के लिए स्पोर्ट्स लीग और क्लबों के साथ साझेदारी करते हैं।

फिल्मों और धारावाहिकों में उत्पाद प्रदर्शन के लिए कई अन्तर्राष्ट्रीय चैनलों पर तालमेल किए जाते हैं। वर्ष 1996 और 2015 के बीच बॉक्स ऑफिस पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली 100 अमेरिकी फिल्मों के विश्लेषण के अनुसार, उनमें से लगभग आधे में ब्रांडेड शराब दिखाई गई थी।

शराब विनियमन की कमी बच्चों और किशोरों, महिलाओं और भारी शराब पीने वालों के लिए विशेष रूप से प्रभावित करती है।

अध्ययनों से पता चला है कि कम उम्र में शराब पीना शुरू करना युवा वयस्कता और उसके बाद खतरनाक शराब पीने का एक पूर्वसूचक है। इसके अलावा, किशोरों को शराब के सेवन से नुकसान होने की अधिक संभावना होती है। दुनिया के युवा और बढ़ती आबादी वाले क्षेत्रों, जैसे कि अफ्रीका और लैटिन अमेरिका को विशेष रूप से लक्षित किया जा रहा है। शराब उत्पादन और बिक्री के लिए महिलाओं में शराब की खपत एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। दुनिया में शराब का तीन चौथाई हिस्सा पुरुषों सेवन करते हैं। शराब कंपनियां महिलाओं की शराब पीने की दर को अपने बाजार को विकसित करने के अवसर के रूप में देखती हैं। अक्सर महिलाओं द्वारा शराब पीने को सशक्तिकरण और समानता के प्रतीक के रूप में दर्शाया जाता है। वे स्तन कैंसर और घरेलू हिंसा जैसे विषयों पर कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी पहल का आयोजन करती हैं और शराब के ब्रांडों को बढ़ावा देने के लिए खेल या कला जैसे क्षेत्रों में अपनी सफलता के लिए जानी जाने वाली महिलाओं के साथ जुड़ती हैं।

डब्यू.एच.ओ. 2018 के एक अध्ययन में, यह पाया गया कि, अधिकांश देशों में पारंपरिक मीडिया में शराब के विज्ञापन के लिए कई प्रकार के नियम हैं जबकि लगभग आधे में इंटरनेट और सोशल मीडिया इसके लिए कोई विनियमन नहीं है।

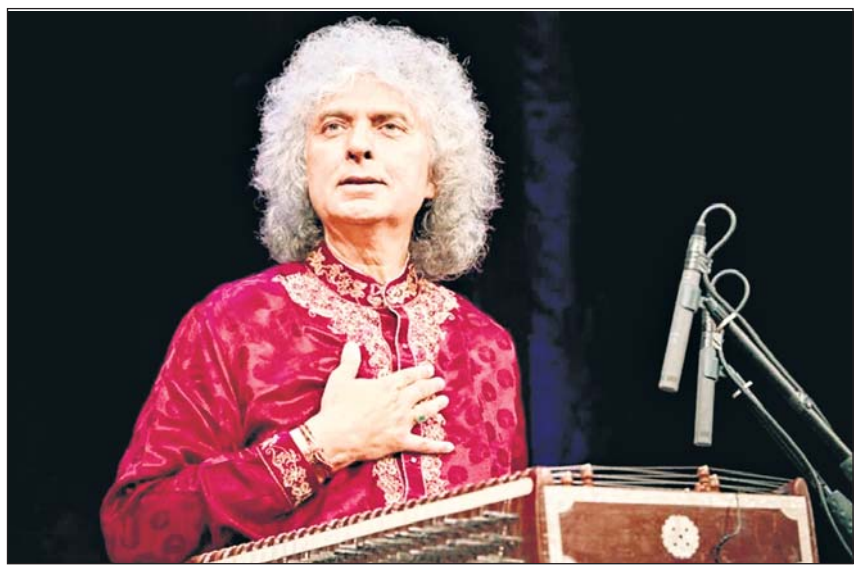

प्रख्यात संतूर वादक और पद्म विभूषण से सम्मानित पंडित शिवकुमार शर्मा का मंगलवार को मुंबई में निधन हो गया, वे 84 साल के थे। वर्ष 1955 में, मुम्बई पंडित शिव कुमार शर्मा ने संतूर पर शास्त्रीय संगीत बजाया था, और ऐसा करने वाले वे पहले भारतीय थे। उन्होंने संतूर को भारतीय शास्त्रीय वाद्य बनाने में अहम योगदान दिया। उन्हें वर्ष 1986 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार और 1991 में पद्मश्री तथा 2001 में पद्म विभूषण सम्मान दिया गया। पंडित शर्मा का पहला एकल एल्बम 1960 में आया। उनके फिल्मी करियर की शुरुआत 1955 में वी शांताराम की हिन्दी फ़िल्म झनक-झनक पायल बाजे में बैंक ग्राउण्ड म्यूज़िक देने के साथ हुई, पर बहुत कम लोग जानते हैं कि वे तबला भी बजाते थे और गाइड फिल्म के शास्त्रीय संगीत आधारित गीत, "मोसे छल किए जाए" में उन्होंने तबला बजाया था। वर्ष 1967 में उन्होंने हरिप्रसाद चौरसिया के साथ जोड़ी बनाई बाद में दोनों शिव-हरि के नाम से फिल्मों में संगीत देने लगे। इसकी शुरुआत सिलसिला (1981) से हुई। बाद में इस जोड़ी ने फासले (1985), चांदनी (1989), लम्हे (1991) और डर (1993) जैसी कई हिट फिल्मों के लिये संगीत दिया, जो बेहद लोकप्रिय हुआ।

13 मई को दोपहर बाद शुरू होगा कांग्रेस का चिंतन शिविर

हवाई जहाज से आएंगी सोनिया गांधी, रेल से पहुंचेगे राहुल

- **तीन दिन 6 बिंदुओं पर चर्चा करेंगे कांग्रेस नेता, अन्त में यह एजेण्डा सी. डब्ल्यु. सी. द्वारा पारित किया जायेगा।**

जयपुर, 10 मई (का.प्र.)। कांग्रेस पार्टी का नव संकल्प शिविर 13से लेकर 15 मई तक आयोजित होगा, जिसमें प्रमुख तौर पर 6 बिंदुओं पर पार्टी के नेता और पदाधिकारी चर्चा कर अपनी बात रखेंगे। इसके आधार पर पार्टी की आगामी रणनीति तैयार की जाएगी। शिविर में शामिल होने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी हवाई जहाज से तो राहुल गांधी ट्रेन से उदयपुर पहुंचेंगे। यह जानकारी राजस्थान के कांग्रेस प्रभारी अजय माकन ने दी।

शिविर की तैयारियों का जायजा लेने उदयपुर पहुंचे माकन ने बताया कि कांग्रेस के तीन दिवसीय चिंतन शिविर में भाग लेने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी 13 मई को सुबह उदयपुर पहुंचेंगे और दोपहर बाद शिविर का विधिपूर्वक आगाज होगा। माकन ने बताया कि इस तीन दिवसीय चिंतन बैठक में 400 से ज्यादा नेता शामिल होंगे। शिविर का नाम नव संकल्प शिविर रखा गया है। माकन ने बताया कि 13 मई से ही इस चिंतन बैठक की शुरुआत होगी, जिसमें अलग-अलग दिन अलग विर्ष्रयों पर चर्चा होगी। ऐसे में 3 दिन की बैठक के आखिरी दिन पूरा एजेंडा वर्किंग कमेटी के सामने रखा जाएगा।

शिविर की तैयारियों को लेकर प्रभारी अजय माकन और प्रदेशअध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के साथ पार्टी के कई अन्य पदाधिकारी उदयपुर पहुंचे हैं। इस दौरान माकन और डोटासरा एयरपोर्ट से शहर के सहेलियों की बाड़ी स्थित एसआईआरटी सभागार पहुंचे। वहां उन्होंने उदयपुर शहर और देहात जिला कांग्रेस कमेटी की संयुक्त बैठक में भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए माकन ने कहा कि इस तीन दिवसीय चिंतन बैठक में पार्टी के नेता गहन मंथन और विचार करेंगे। देश में कांग्रेस पार्टी को किस तरह से आगे ले जाया जाए, कांग्रेस पार्टी के संगठन के अंदर किस प्रकार से संगठनात्मक परिवर्तन किए जाए आदि पर चर्चा की जाएगी।

चीन की कंपनियों ने पाकिस्तान को बिजली गुल करने की धमकी दी

चीन की कंपनियों ने कहा, हमारा 300 अरब डॉलर का भुगतान नहीं किया गया तो यही अंजाम भुगतना होगा

- **इस धमकी से डरकर पाकिस्तान की सरकार ने चीन की कंपनियों से एक महीने की मोहलत मांगी है और कहा है कि, हम एक महीने में पूरा भुगतान कर देंगे।**

इस्लामाबाद, 10 मई। पाकिस्तान में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सी.पी.ई.सी.) परियोजना के तहत काम कर रही चीन की करीब 25 कंपनियों ने 300 अरब डॉलर का भुगतान नहीं मिलने पर इस महीने अपना परिचालन बंद करने की चेतावनी दी है। 'डॉन' अखबार के अनुसार, पाकिस्तान के योजना और विकास मंत्री अहसान इकबाल की अध्यक्षता में आयोजित एक बैठक के दौरान चीन के स्वतंत्र बिजली उत्पादकों (आई.पी.पी.) ने यह बात कही है। इस दौरान, सी.पी.ई.सी. परियोजना के तहत ऊर्जा, संचार, रेलवे जैसे क्षेत्रों में काम कर रही चीन की 30 कंपनियों भी मौजूद रहीं। बैठक के दौरान बिजली का उत्पादन करने वाली कंपनियों ने 300 अरब पाकिस्तान रुपये (15,95,920,800 डॉलर) का भुगतान नहीं मिलने को लेकर कड़ी नाराजगी जताई। चीन की स्वतंत्र बिजली उत्पादकों के लगभग 25 प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी है कि अगर उनका भुगतान नहीं किया जाएगा, तो वे कुछ दिन के भीतर काम करना बंद कर देंगे।

सूत्रों ने डॉन को बताया कि चीनी अधिकारियों ने जटिल वीजा प्रक्रियाओं, कराधान आदि से संबंधित शिकायतें ज्यादा रखीं। पाकिस्तानी पक्ष की ओर से भी जवाबी शिकायतें रखी गईं, जिसमें खासतौर पर संचार में देरी का मुद्दा उठाया गया। चीनी स्वतंत्र बिजली उत्पादकों (आई.पी.पी.) के लगभग 25 प्रतिनिधियों ने अपने बकाया के बारे में शिकायत की और चेतावनी दी कि अग्रिम भुगतान नहीं मिलने पर वे कुछ दिनों के भीतर काम बंद कर देंगे। उन्होंने कहा कि अधिकारी गर्मी के मौसम में बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए उत्पादन को अधिकतम करने के लिए दबाव डाल रहे हैं, लेकिन हमारे लिए यह असंभव है। उन्होंने शिकायत की कि ईंधन की कीमतें, विशेष रूप से कोयले की कीमतों में तीन से चार गुना वृद्धि हुई है, जिसका अर्थ है कि उन्हें ईंधन की व्यवस्था करने के लिए तीन से चार गुना अधिक पैसा दिया जाना चाहिए। कोयला उत्पादकों में से एक ने बताया कि कोयले के कम स्टॉक के कारण यह आधी क्षमता पर काम कर रहा है।

चार भारतीय पत्रकारों को मिला पुलित्ज़र पुरस्कार

- **इनमें, अफगानिस्तान में सेना व तालिबान के बीच संघर्ष की रिपोर्टिंग के दौरान जान गंवाने वाले पत्रकार दानिश सिद्दीकी भी शामिल हैं।**
- **सिद्दीकी को 2018 में भी पुलित्ज़र से सम्मानित किया गया था।**

न्यूयॉर्क, 10 मई (वार्ता)। पत्रकारिता के क्षेत्र में अमेरिका के सर्वोच्च सम्मान पुलित्ज़र पुरस्कार 2022 से चार भारतीयों को नवाज़ा गया है और इनमें अफगानिस्तान में पिछले साल सेना और तालिबान के बीच संघर्ष को कवर करने के दौरान मारे गये फोटोजर्नलिस्ट दानिश सिद्दीकी को भी शामिल किया गया है। संगठन की ओर से दी गयी जानकारी के अनुसार सोमवार को घोषित पुरस्कारों मे चार भारतीय पत्रकारों अदनान, आबिदी, सना इरशाद माट्टो, अमित दवे और दानिश सिद्दीकी का नाम शामिल है। भारत में कोविड के कारण हुई तबाही पर लिखे गये लेखों के लिए पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। सिद्दीकी पिछले साल अफगान सेना और तालिबान के बीच अफगानिस्तान में कंधार के स्पिन बोलदाक डिस्ट्रिक में हुई झड़पों को कवर करने के लिए भेजा गया था। सिद्दीकी को इससे पहले रोहिंग्या समस्या को दिखाने के लिए 2018 में भी पुलित्ज़र पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इसके साथ ही ब्रेकिंग न्यूज फोटोग्राफी का पुरस्कार लॉस एंजेल्स टाइम्स के मार्कस यान ने जीता। ब्रेकिंग न्जूज रिपोर्टिंग का पुरस्कार मियामी हेराल्ड ने जीता। जनसेवा वर्ग में जनवरी छह को हुए हमले के कारण, इसकी कीमत और उसके प्रभावों के मामलों को कवर करने वाले द वाशिंगटन पोस्ट ने पुरस्कार हासिल किया। पुलित्ज़र बोर्ड ने रूसी हमले के बीच साहस, प्रतिबद्धता और जबरदस्त सहनशीलता का परिचय देते हुए काम करने वाले यूक्रेनी पत्रकारों को विशिष्ट पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

'मेरा पुलिस प्रशासन से गंभीर प्रश्न है कि रोहित जोशी मामले में एफ.आई.आर. राजस्थान पुलिस ने क्यों नहीं दर्ज की?'

कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा ने लिखा कि, राजस्थान पुलिस को पीड़िता व उसके परिवार को सुरक्षा उपलब्ध करवानी चाहिए तथा पुलिस को त्वरित एक्शन लेना चाहिए था

- **'हमारी सरकार बहुत संवेदनशील है, लेकिन पुलिस को त्वरित एक्शन लेना चाहिए। इस केस ने राजस्थान पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।'**
- **पार्टी के अंदर बन रहा है, जलदाय मंत्री के इस्तीफे का दबाव।**

जयपुर, 10 मई (का.प्र.)। राजस्थान के जलदाय मंत्री महेश जोशी के बेटे रोहित जोशी के खिलाफ दिल्ली के सदर बाजार थाने में रेप का केस दर्ज होने के बाद ओसियां से कांग्रेस विधायक एवं पूर्व जलदाय मंत्री महिपाल मदेरणा की बेटी दिव्या मदेरणा ट्विटर पर राजस्थान पुलिस पर सवाल उठाते हुए रोहित जोशी के खिलाफ और पीड़िता के पक्ष में उतरी है। दिव्या मदेरणा ने चार ट्वीट कर राजस्थान पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाया है तथा पीड़िता और उसके परिवार को सुरक्षा देने की मांग की है। उन्होंने राजस्थान में केस दर्ज नहीं करने पर भी सवाल उठाए हैं।

दिव्या मदेरणा ने अपने ट्वीट में राजस्थान पुलिस को टैग करते हुए लिखा है कि "राजस्थान सरकार ने 1 जून 2019 से थानों में मामला दर्ज नहीं करने पर एसपी ऑफिस में एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री ने फरियादी का मामला दर्ज करने से मना करने पर संबंधित थानेदार के खिलाफ विभागीय जांच करने के भी निर्देश दिए थे। सदर बाजार थाने में दर्ज जीरो नंबर एफआईआर अभी जांच के अधीन है। मेरा पुलिस प्रशासन से गंभीर प्रश्न है कि यह एफआईआर राजस्थान पुलिस ने क्यों नहीं दर्ज की? दिव्या ने लिखा है कि एफआईआर दर्ज करने से मना करने वाले थानेदार के खिलाफ डीजीपी को तत्काल विभागीय जांच के आदेश देने चाहिए।"

एक अन्य ट्वीट में लिखा गया है कि डीजीपी और राजस्थान पुलिस को पीड़िता व उसके परिवार को उनके राजस्थान के पैतृक निवास पर सुरक्षा उपलब्ध करवानी चाहिए। हमारी सरकार बहुत संवेदनशील है, लेकिन पुलिस को त्वरित एक्शन लेना चाहिए। इस केस ने राजस्थान पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान विधानसभा के पिछले बजट सत्र के दौरान भी दिव्या मदेरणा ने जलदाय विभाग की अनुदान मांगों पर बहस के दौरान मंत्री महेश जोशी को घेरते हुए क्षेत्र में पानी के कामों में भेदभाव बरतने और विधायक की राय नहीं लेने पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा था कि जलदाय मंत्री महेश जोशी शहर से आते हैं, ग्रामीण क्षेत्र की पानी की समस्या जानते भी नहीं है। अफसर विभाग चला रहे हैं, मंत्री तो रबर स्टैंप हैं।

दरअसल दिव्या मदेरणा के महेश जोशी के बेटे के खिलाफ और पीड़िता के पक्ष में खड़े होने को अब जलदाय मंत्री पर उनकी ही पार्टी में बनाए जा रहे दबाव के रूप में देखा जा रहा है। कहा जा रहा है कि यदि कांग्रेस में ही इस तरह की आवाजें उठेंगी तो महेश जोशी पर इस्तीफा देने का दबाव बनेगा।

कहा यह भी जा रहा है कि कांग्रेस से जुड़े कुछ नेताओं ने इस पूरे मामले को लेकर आलाकमान को भी अवगत कराया है और कुछ सूचनाएं भेजी है। वैसे भी 13 मई से राजस्थान के उदयपुर में शुरू हो रहे कांग्रेस के चिंतन शिविर से पहले भाजपा भी इस मामले को बड़ा मुद्दा बना सकती है। ऐसे में कांग्रेस के नेताओं से चिंतन शिविर के दौरान भी इस मामले पर सवाल पूछे जा सकते हैं। ऐसे में देखना यह है कि क्या इस मामले को लेकर जलदाय मंत्री महेश जोशी इस्तीफे की पेशकश करते हैं या फिर मुख्यमंत्री उनसे इस्तीफा मांगते हैं।

हिन्दू अल्पसंख्यक

- **सुप्रीम कोर्ट ने हिन्दुओं को अल्पसंख्यक का दर्जा देने के लिए केन्द्र को तीन महीने का समय दिया।**

नई दिल्ली, 10 मई (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को केंद्र को उन राज्यों में हिंदुओं को अल्पसंख्यक का दर्जा दिलाने के मामले में राज्य सरकारों के साथ परामर्श करने के लिए तीन महीने की मोहलत प्रदान कर दी, जहां उनकी जनसंख्या अन्य समुदायों के मुकाबले कम है।

न्यायालय ने केंद्र से कहा कि ये ऐसे मामले हैं, जिन्हें सुलझाए जाने की जरूरत है।

हर चीज पर न्यायिक निर्णय नहीं सुनाया नहीं जा सकता।केंद्र की तरफ से पेश हुए वकील द्वारा न्यायालय से इस मामले से दूर रहने की मांग किए जाने पर न्यायमूर्ति संजय किशन कौल की अगुवाई वाली दो-न्यायाधीशों की पीठ ने यह टिप्पणी की।

ताईवान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जरूरी मानती थी, उसने क्वारंटीन के दिन भी अब कम दिये हैं तथा लोग अब अपने नजदीकी सम्पर्कों को मानने एवं निभाने लगे हैं। यह परिवर्तन इस साक्ष्य की स्वीकृति का परिचायक है कि अत्यधिक संक्रमण वाला ऑमिक्रॉन वैरिएन्ट, पहले वाले वायरसों की तुलना में कम घातक है। अब तक हुये नये संक्रमणों मे से 99.7 प्रतिशत से ज्यादा संक्रमण मध्यम दर्जे के तथा असिम्प्टोमैटिक रहे हैं।

चीन की "वैक्सीन डिप्लोमैसी"...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अग्रणी बन गया था। बीजिंग ने दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य पूर्व और दक्षिण अमेरिका जैसे क्षेत्रों में बड़ी तत्परता से वैक्सीन डोज़ सप्लायी किए और चीन की तीनों फार्मा कम्पनियों ने दिसम्बर 2020 से मार्च 2021 तक फायज़र कम्पनी से अधिक वैक्सीन्स निर्यात की।

यह फेज़ आंशिक था क्योंकि विकासशील देशों के लिए चीन निर्मित वैक्सीन्स ही एकमात्र विकल्प थी और अमेरिका तथा यूरोप के देशों ने बड़ी संख्या में वैक्सीन के डोज़ अपने खुद के नागरिकों के लिए सुरक्षित कर रखे थे। जहां तक बात निर्यात की है तो फायज़र कम्पनी निर्मित वैक्सीन ने चीन की वैक्सीन्स को पीछे छोड़ दिया था, लेकिन सितम्बर 2021 में चीन की वैक्सीन्स फिर से शीर्ष पर आ गईं। चीन के राष्ट्रपति शी जिंनपिंग ने शेखी बघारते हुए कहा था कि उनका देश कोविड-19 के विरूद्ध वैश्विक लड़ाई में अपना योगदान दे रहा है, लेकिन यह गतिशीलता अधिक समय तक नहीं रही।

बसंत ऋतु के बाद से ओमिक्रॉन वेरिएंट का तेजी से प्रसार एक बड़ा कारक रहा है, जैसा कि चीन के स्वास्थ्य अधिकारी भी मानते हैं कि चीनी वैक्सीन्स ओमिक्रॉन के विरूद्ध इतना असरकारक नहीं रही हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ हांगकांग व अन्य द्वारा मार्च में प्रकाशित एक पेपर में 4 हजार 4 सौ लोगों के बारे में एक अध्ययन है। ये लोग हांगकांग में वैक्सीन के दो डोज़ लगवाने के बाद संक्रमित हो गए थे। अध्ययन में पाया गया कि जिन लोगों के सिनोवैक वैक्सीन लगी थी वे फायज़र वैक्सीन की तुलना में तीन गुना अधिक संक्रमित हुए थे।

विशेषज्ञों का कहना है कि इनऐक्टिवेटेड वैक्सीनें, जो चीन उत्पादित वैक्सीनों का बहुत बड़ा हिस्सा है, नवीनतर एम.आर.एन.ए. तकनीक पर आधारित वैक्सीनों की माँग में कमी आ रही है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के "अवर वर्ल्ड इन डाटा प्रोजेक्ट" के अनुसार, इस समय 1.05 करोड़ खुराकें रोजाना दी जा रही हैं, जो पिछले साल के अंतिम दिनों में दी जाने वाली खुराकां से 71 प्रतिशत कम हैं।

"एयरफिनिटी" के मुख्य विश्लेषक मैट लिनली का कहना है, "चूँकि ओमिक्रॉन वैरिएंटों के कारण ज्यादा गंभीर बीमारी नहीं फैल रही, इसलिये लोग ज्यादा खुराकों के पीछे नहीं भाग रहे हैं।" फिर भी चीनी वैक्सीन क निय्रात में गिरावट आश्चर्यजनक है। चीन में वैक्सीनेशन की दर बहुत ऊँची है, इसलिये ऐसा नहीं है कि उसके पास निर्यात के लिये पर्याप्त वैक्सीन नहीं हैं।

अब चीन के अलावा, अन्य एशियाई देशों में नये संक्रमण कम होते जा रहे हैं। चीन के शंघाई जैसे नगरों में, सूचनाओं के अनुसार यह बीमारी बहुत फैल रही है। डालियान के एक युवक जिसकी उम्र 30 वर्ष से कम ही होगी, ने कहा, "इसका एक कारण तो यह है कि चीन मुख्य क्षेत्र में, केवल घरेलू वैक्सीनों, जो कम असररदार हैं, को ही अनुमोदन मिला है।

4 बच्चे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

सूरसागर थानाधिकारी गौतम डोटासरा ने बताया कि मंगलवार की सुबह आठ नौ बजे के बीच सूचना मिली कि काली बेरी की पत्थर की खान में भरे पानी के बाहर कुछ बच्चों के जूते व कपड़े पड़े हैं।

बच्चों की डूबने की आशंका के बीच गोताखोरों को बुलाया गया। एक बच्चे का शव पानी में पहले दिखाई दे गया था। इस बीच बच्चों के परिवार के लोग भी जमा हो गए।

सोमवार की दोपहर में निकले थे बच्चें : थानाधिकारी डोटासरा ने बताया कि बच्चें सोमवार की दोपहर से निकले हुए थे। परिवार के लोग मोहल्ले में चल रही एक शादी समारोह में व्यस्त थे। इस बीच वे कब घर से निकले उन्हें पता नहीं चला। आज सुबह एक शव पानी में नजर आने पर अन्य की तलाश की गई। इनकी पहचान पूनमचंद, युवराज पुत्रान रमेश भील एवं टीकम - गोपाल पुत्रान गोविंद भील के रूप में की गई है।

'पार्टी खड़ी करने की दृष्टि से मैं...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नरेन्द्र मोदी और प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान उनके उद्भव के बारे में पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में किशोर ने महसूस किया कि विदेश नीति पर मोदी की पकड़ और विदेशों के प्रति भारत का दृष्टिकोण उनकी स्वयं की उपलब्धि रही है। जनता भी ऐसा महसूस करती है कि मोदी के कारण भारत की प्रतिष्ठा पूरी दुनिया में तेजी से बढ़ रही है।

क्या ये धारणाएं जैसे कि विदेश नीति दृष्टिकोण किसी पार्टी की चुनावी संभावनाओं को बदलने में वास्तव में मायने रखती हैं? किशोर का मानना है कि अधिकांश लोग यह कह रहे हैं कि भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है और यह तथ्य उनकी छवि को परिलक्षित करता है। उन्होंने महसूस किया कि मोदी आर.एस.एस. प्रचारक से एक सामाजिक कार्यकर्ता और सीनियर राजनेता रहने के कई चरणों के दौरान बहुत परिपक्व हुए हैं।

किशोर ने वर्तमान में जिन नेताओं के साथ काम किया है उनमें से वह किसी को भी संयुक्त विपक्ष का मुख्य चेहरा नहीं मानते। उन्होंने माना कि कांग्रेस पार्टी भाजपा के लिए अब भी सबसे बड़ी चुनौती है। जब उनसे यह स्पष्ट करने को कहा गया कि भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती कौन है-कांग्रेस या आप, तो किशोर ने बिना पलक झपकाए जवाब दिया कि "वह कांग्रेस है ना कि आप।"

उन्होंने माना कि कांग्रेस की विफलता का कारण उसकी विचारधारा है। वह अब भी इसमें उलझी है कि वह सबसे अधिक समय तक सत्ता में रह चुकी पार्टी है तथा सबसे अच्छा शासन करना वही जानती है। कांग्रेस को एक बार फिर से प्रासंगिक बनने के लिए अपनी मनोस्थिति को बदलना होगा।

एक राजनीतिक रणनीतिकार के रूप में उन्होंने महसूस किया कि एक सफल राजनीतिक व चुनावी अभियान के लिए चार कानून महत्वपूर्ण है।

प्रथम जरूरत एक ऐसी सोच निर्मित करने की है जो जनता के फीडबैक पर आधारित हो। दिल्ली या पटना में बैठकर कोई भी यह नहीं जान सकता कि जनता के मन में क्या है। इसके लिए आपको लोगों के पास जाना होगा। उन्होंने जिक्र किया कि बिहार में प्रशासन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण मुद्दा "पक्के नाले" का निर्माण है जबकि बंगाल में सबसे महत्वपूर्ण डिमांड जाति प्रमाण पत्र प्राप्त करना है।

दूसरा कारक अपनी बात और संदेश को आगे पहुंचाने के लिए एक संदेशवाहक का होना है। यह संदेशवाहक ही चुनावी अभियान का चेहरा होता है। एक राजनेता तभी ऐसा कर सकता है जबकि वह विश्वस्त हो।

तीसरा है, मशीनरी जो कि संदेश को वोटों में तब्दील कर सके। यह चुनाव जीतने के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि जन भावना को वोटों में तब्दील करने की मशीनरी के बिना कुछ भी हासिल नहीं किया जा सकता।

अंत में, चुनाव प्रचार के तरीके और उसके लिए किन उपकरणों का इस्तेमाल किया जाए। इसमें समूचे चुनाव प्रचार अभियान की रणनीतियां तय करना भी शामिल हैं।

कुल मिलाकर किशोर के खुले संवाद ने वह तरीका बताया जिसके तहत उन्होंने राजनेताओं के साथ काम किया था और अब वे स्वयं के लिए काम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वह समान विचारधारा वाले लोगों के साथ सर्वानुमति बनाकर बिहार के लिए काम करेंगे और वे लोग बिहार में बदलाव लाने के लिए एकजुट होने पर सहमत होंगे। वे अपनी राजनीतिक पारी शुरू करने के लिए बिहार की ओर देख रहे हैं।

वीर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

असामाजिक तत्वों ने रात को चेहरे पर कालिख लगा दी। पुलिस के आला अधिकारियोंने मौके पर पहुंच मामला शांत करवाया। दोपहर तक गांव में शांति कायम रही।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908